शान्त, समृद्ध, स्वाबलम्बी आधुनिक नेपाल निर्माण करके लेल हमर आव्हान

विभेद, बेरोजगारी र भ्रष्टाचारके समाप्तकरके लेल “हात मिलाएके” चिन्हमे करु मतदान

राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी

(RASTRIYA JANAMUKTI PARTY)

चुनाव चिन्ह “हात मिलाएके”

प्रतिनिधि सभाके निर्वाचन २०८२

नागरिक सम्बोधन-पत्र (मैथलि भाषा)

राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी

केन्द्रीय प्रकाशन विभाग

janamukti48@gmail.com

Facebook.com/janamukti, Twitter.com/janamukti

www.facebook.com/Rastiya Janamukti Party

www.janamukti.org

आदरणीय भाइ बहिनसब !

२०८२ फाल्गुन २१ गते क लेल तय भेल प्रतिनिधि सभाके निर्वाचन के बारे में सब नेपाली लोग अपन चेतना और दायित्व पुरा करेके अवस्था आएल छै। नेपालके शान्त, समृद्ध, स्वावलम्बी, आधुनिक राष्ट्रिय एकता के सुत्र मे बाँधे मे सक्षम राष्ट्र के रूप मे विकसित करे के परिकल्पना लेले ३६ वर्ष पहिले स्थापित राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी के तरफ से यी निर्वाचन मे चुनावी घोषणापत्र के रूप में यी नागरिक सम्बोधन पत्र लेके आएल छी। अपन नागरिक चेतना प्रयोग कइके उचित निर्णय करब यहन अपेक्षा तथा आह्वान करइत छी।

१) देश कहिया समृद्ध बनत?

कोनो देश के समृद्ध होबके लेल सबसे बढके आधारभूत शर्त राष्ट्रिय एकता आ विश्वास होइछई। बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक आ बहुधार्मिक विशेषता भेल देश नेपाल मे सबके साथ सबके विकाश मुल मान्यता बाला शासन चाही। यी शर्त पुरा करेके लेल संघीय लोक तान्त्रिक मोडेल के लेल हम प्रतिबद्ध छी।

२) अखनी के संघीय मोडेल ठीक छै?

नेपाल में विकास, समृद्धि तथा राष्ट्रिय एकता के राजनीति के प्रस्ताव ले आबे बाला पार्टी राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी छैक। संघीयताके मुल प्रस्तावक तथा बहस कर्ता के नाता से हम कह सकईत छी कि २०७२ के संविधान त्रुटिपुर्ण छै। अर्थात राष्ट्रिय आकाँक्षा के सम्बोधन करेके किसिमके नै बनसकल छैक। यी बात १० वर्ष के अनुभवसे सावित भगेल छैक। ताहीलेल शक्तिशाली राज्य पुनःसंरचना आयोग गठन कके प्राप्त सुझाव अनुसार संघीय मोडेल में जाएके परत। एई मे हम प्रतिवद्ध छी।

३) प्रत्यक्ष कार्यकारी के आवश्यकता छै?

नेपाल एक बहुलबादी समाज बाला देश छै। एइलेल केन्द्रिय तह में कोनो एक व्यक्ति राष्ट्रपति होअ वाला व्यवस्था से क्लस्टरमे आधारित राष्ट्रपति मण्डल उपयुक्त होएत, जेकरा संसद निर्वाचित करत। कार्यकारी (प्रधान मन्त्री) प्रत्यक्ष निर्वाचित होयत, मन्त्री मण्डल सांसद आ गैर-सांसदसे बनावल जाय बला व्यवस्था उचित होयत। एहिना प्रदेश तह में भी मुख्यमन्त्री के प्रत्यक्ष निर्वाचन करनाई उचित होयत। एकरा लेल हम सब सहमत तथा प्रतिबद्ध छी।

४) भ्रष्टाचार कैसे हटाएल जाय?

नेपाल में कुशासन, गरीबी, बेरोजगारी, परनिर्भरता तथा नागरिक के विदेश पलायन के अवस्था के मुख्य कारण भ्रष्टाचार छै ऐ बात मे हम सब प्रष्ट छी। तइओ भ्रष्टाचार औरो बढइत तथा संस्थागत हाइत जारहल छैक। एकरा हटावे के लेल भ्रष्टाचार विरुद्ध दृढ संकल्प बाला राष्ट्रिय नीति सहित के कडा कदम चाले के आवश्यकता छैक। जन्मकाल से भ्रष्टाचार के आर्थिक आ नैतिक अपराध मात्र नै छैक यी देशद्रोह सरह के अपराध छैक। आ भ्रष्टाचार नियन्त्रण मात्र नै एकरा जडेसे निर्मुल करे

वाला राष्ट्रिय नीति लागु करेके प्रतिज्ञा करइत आ जनस्तर में २०७६ साल जेठ १५ गते से भ्रष्टाचार विरुद्ध राष्ट्रिय अभियान संचालन करइत आएल पार्टी राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी अपन शासन के पाँच वर्ष भित्र देश के भ्रष्टाचार मुक्त देश घोषणा जनस्तर मे जाके करइत आरहल छै। अभी तक सब भ्रष्टाचार प्रकरण सब के छिनो फानो, भ्रष्टाचारी के देश द्रोही घोषणा आ हुनकर सम्पति राष्ट्रिय करण करब यी हमर प्रतिवद्धता छैक।

५) देशके आद्योगिकरण कैसे सम्भव होयत?

नेपाल के औद्योगिकरण के युग में ले जाएके चाहना तथा घोषणा हम सब कैने छी। लेकिन आद्योगिकरण के हमर अपन मौलिक मोडेल होयत। नेपाल मे पायल जाय बाला कच्चा पदार्थ में आधारित उद्योगधन्धा के विकास हमर पहिल प्राथमिकता रहत। निर्यात करे बाला उद्योग के लगानी प्रोत्साहन तथा सुरक्षा सुनिश्चित कयल जायत। राष्ट्रिय आवश्यकता लायक सामाग्री उत्पादन करेके लेकिन कच्चा पदार्थ आयात करे के अवस्था में उच्च भंसार सहुलियत देल जायत। आत्मनिर्भर तथा निर्यातमूलक औद्योगिक विकास के लेल हम सब प्रतिबद्ध छी।

६) लगानी व्यवस्था तथा वैदेशिक ऋणके सम्बन्ध में केहन नीति लेल जाय?

नेपाल में सब क्षेत्र में लगानी तथा खर्च के लेल वैदेशिक ऋण लेबे के चलन देश के गम्भीर संकट के तर्फ ठेल रहल छैक। अब अनुत्पादनक तथा खर्च प्रयोजन के लेल विदेशी ऋण लेबे के काम निरुत्साहित कयल जायत। उत्पादनबाला वा प्रतिफल देवे वाला परियोजना सब के लेल सरकार उद्यमी आ नागरिक के समान लगानी रहे बाला त्रिपक्षीय अर्थ प्रणाली के मोडेल लागु करके हम सब प्रतिबद्ध छी।

७) रोजगारी तथा रेमिट्यान्स सम्बन्धमे की कयद जाय?

रोजगार के लेल स्वदेश तथा विदेश के विकल्प समान रूप से विकास कैल जायत। वैदेशिक रोजगारी के शर्त काम के दक्षता, कामदार के आत्मसम्मान आ व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रत्याभुति अनिवार्य कयल जायत। ऐकरा लेल राज्य जवाफदेही होय के प्रावधान रहत। करकाप, लोभ लालच आ भ्रम मे परके वैदेशिक रोजगार में लेजाय बाला काम के जघन्य अपराध घोषित करके ओही अनुसार दण्ड सजाय के व्यवस्था कयल जायत। रेमिट्यान्स के देश के रचनात्मक विकास में लगाबे वाला बहुआयामिक नीति लेल जायत। विश्वके कोनो भी देश में अपन आत्म सम्मान गमाके, असुरक्षित तथा अन्याय पुर्ण जीवन जीए के अवस्था न आवेदेवे के लेल हम सब प्रतिवद्ध छी।

८) नागरिकता के निरन्तरता केहन होयत?

जोना भी देश में बसल रहल व्यक्ति के नेपाली नागरिकता कायम राखल जायत। स्वैच्छा से अपन नागरिकता त्याग करेके अवस्था बाहेक कोनो भी नेपाली के नागरिकता खारेज न कयद जायत। वंशज के आधारम नेपाली नागरिकता के हक सुनिश्चि रहने प्रावधान के लागि हम प्रतिवद्ध छी।

९) संविधान पुनर्लेखन जरुरी छै कि नै छै ?

नेपाल के संविधान २०७२ मे प्रशस्त कमी कमजोरी छै। लेकिन संविधान खारेजी वा और कोनो अन्तरिम संविधान के खोजी सुरक्षित राष्ट्रिय गन्तव्य नै छै। सामान्य किसिम के अर्थात सम्वैधानिक परिपाटी के संशोधन के प्रक्रिया मात्र से भी समाधान न आवत यी बात भी निश्चित छैक। एई लेल संविधान जारी भेल समय से अवतक पुनर्लेखन के पुनः स्मरण कराब के चाहइत छी। संविधान से सुनिश्चित कैल उपलब्धिके स्वीकार गरइत, कमी कमजोरी हटा के, छुटल महत्वपुर्ण विषय के समावेश कके संविधान के राष्ट्रिय एकता के दस्तावेज बनावे के विधि माने संविधान पुनर्लेखन नै छै। एकरा लेल राष्ट्रिय सहमति के आधार मे अगाडी बढल जा सकइत छी एई मे हम सब प्रष्ट छी आ एई मे हमर इमान्दारी प्रयास रहत यी प्रतिवद्धता हम सब कहके चाहइत छी।

१०) हमर प्रतिवद्धता:

प्रतिनिधि सभा निर्वाचन २०८२ के सन्दर्भ मे राष्ट्रिय जन मुक्ति पार्टी के तरफ से नेपाली नागरिक सब से सम्बाद करे के मुख्य विषय भी इहे छैक। राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी २०४७ साल में स्थापना भके २०४८ के पहिल निर्वाचन से निरन्तर लोकतान्त्रिक अभ्यास में प्रतिवद्ध रहइत एक जिम्मेवार तथा अनुभवी राजनैतिक दल भके अपन घोषण पत्र प्रत्येक निर्वाचन में जनसमक्ष राखइत आबी रहल छैक। हम सब यी निर्वाचन पहिले सम्पन्न भेल सब निर्वाचन में राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी के तरफ से जन समक्ष पेश कयल गेल अपन प्रतिवद्धता के फेरु प्रतिवद्धता करइत छी।

पुनश्चः यी नागरिक सम्बोधन पत्र मार्फत प्रस्तुत कयल हमर दृष्टिकोण अनुसार राष्ट्रिय एजेण्डा मे बहस, छलफल, अन्तरकृया करेके लेल, सन्देश प्रवाह करेके लेल आ अपन नागरिक दायित्व पुरा करेके लेल आह्वान करइत छी। यदि नेपाली नागरिक सब अखन के निर्वाचन में हात मिलाएल चिन्ह में मतदान कयल जायत, सदन आ सडक में तथा सरकार आ आवश्यकतानुसार सडक में भी अपना के एकटा सशक्त नागरिक के सच्चा पहरेदार के रूप में अगाडी बढाबेके प्रतिबद्धता समेत व्यक्त करइत छी।

२०८२ माघ १६ गते (शहीद दिवस)।

टोप अस्लामी
(महासचिव)

केशव सूर्यवंशी
(अध्यक्ष)

मुद्रणः शुलभ अफसेट प्रेस, बुटवल # 9846128184